भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
19.03.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 3213 का उत्तर

महाकुंभ के लिए विशेष रेलगाड़ियां

3213. श्री कल्याण बनर्जी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि रेल ने प्रयागराज के महाकुंभ 2025 के दौरान महाकुंभ के लिए विभिन्न क्षेत्रों से 178 विशेष रेलगाड़ियों की घोषणा की है;

(ख) यदि हां, तो क्या इसके लिए 2025 में प्रयागराज के महाकुंभ के लिए अवसंरचना के उन्नयन और विशेष सेवाओं के लिए 5,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे;

(ग) क्या यह भी सच है कि सरकार तीर्थ यात्रियों के भारी अन्तर्वाह का प्रबंधन करने और कन्फर्म टिकट उपलब्ध कराने संबंधी सुरक्षा प्रदान करने तथा तत्संबंधी रेल अवसंरचना को उन्नत करने में विफल रही है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) महाकुंभ की अवधि के दौरान रेल यात्रियों के आवागमन, रेलगाड़ियों का ब्यौरा, विलंब और सुरक्षा विफलताओं (यदि कोई हो) के बारे में क्या रिपोर्ट दी गई है और सरकार द्वारा इन पर क्या कार्रवाई की गई है तथा टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 139 और ईमेल पर प्राप्त शिकायतें क्या हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) और (ख): भारतीय रेल ने महाकुंभ-2025 के दौरान यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करने और उनकी यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए 17,300 से अधिक रेलगाड़ियां चलाई थी, जिनमें 7484 विशेष रेलगाड़ियां शामिल थीं। इन विशेष रेलगाड़ियों में 996 लंबी दूरी की

रेलगाड़ियां शामिल हैं। इन सभी उपायों से लगभग 4.24 करोड़ यात्रियों को सेवित किया गया। कुंभ 2019 के दौरान, 8394 रेलगाड़ियां चलाई गईं, जिनमें 694 विशेष गाड़ी सेवाएं शामिल थीं।

अवसंरचना में सुधार

प्रयागराज क्षेत्र में 5,000 करोड़ रू से अधिक की लागत से अवसंरचना सुधार/संवर्धन/क्षमता संवर्धन कार्य पूरे किए गए हैं। संपूर्ण पूर्वी समर्पित माल गलियारे (डीएफसी) के चालू होने से डीएफसी पर मालगाड़ियों की आवाजाही संभव हुई, जिससे दिल्ली-हावड़ा मार्ग पर अतिरिक्त कुंभ विशेष रेलगाड़ियों के परिचालन हेतु स्थान खाली हुआ।

गंगा नदी पर एक बड़े पुल के निर्माण सहित प्रयागराज-वाराणसी और फाफामऊ-जंघाई के दोहरीकरण का कार्य पूरा हो चुका है। प्रयागराज, सूबेदारगंज, फाफामऊ, रामबाग और झूंसी सहित यार्डों का बड़े पैमाने पर उन्नयन किया गया है, ताकि अधिक संख्या में रेलगाड़ियों को एकोमोडेट किया जा सके।

इसके अतिरिक्त, तीन नई धुलाई लाइनें और 21 ऊपरी सड़क पुल एवं निचले सड़क पुल का निर्माण किया गया हैं, इस प्रकार क्षेत्र में सड़क उपयोगकर्ताओं की बेहतर आवाजाही हेतु सभी समपार फाटकों को समाप्त कर दिया गया हैं।

यात्री सुविधाएं

पर्यटन अवसंरचना में सुधार करने और घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय तीर्थयात्रियों की पहुंच को आसान बनाने हेतु और आरामदायक अनुभव सुनिश्चित करने के लिए प्रयागराज, नैनी, प्रयागराज छिक्की, सूबेदारगंज, झूसी, प्रयागराज रामबाग, प्रयाग और फाफामऊ स्टेशनों पर आवश्यकतानुसार विभिन्न कार्य किए गए हैं।

इन कार्यों में परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, दिव्यांगजन सुविधाएं, संकेतक, प्लेटफार्म की सतह में सुधार, पेयजल बूथों का निर्माण, आश्रय केन्द्र, शौचालय, पहुंच मार्गों को चौड़ा करना, अतिरिक्त प्रवेश द्वारों का विकास और ऊपरी पैदल पुलों का निर्माण आदि शामिल हैं।

यात्रियों की बड़ी संख्या को सेवा प्रदान करने हेतु अतिरिक्त भोजन और जलपान की व्यवस्था की गई। इसके अलावा, रेलवे स्टेशनों पर प्रतीक्षालयों को अधिक आरामदायक बनाने के लिए उन्नत और विकसित किया गया है।

पहली बार प्रयागराज जंक्शन और प्रयागराज छिवकी में यात्री सुविधा केंद्र बनाए गए हैं, जहां व्हीलचेयर, सामान के लिए ट्रॉली, होटल और टैक्सी बुकिंग, शिशुओं के लिए दूध और आवश्यक दवाइयों जैसी अनिवार्य सेवाएं प्रदान की गईं।

विलंब से बचने के लिए, प्रतिदिन 10 लाख टिकट जारी करने के लिए टिकटिंग क्षमता बढ़ाई गई है। बिजली की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए चार-चरणीय बिजली बैकअप योजना लागू की गई।

सभी स्टेशनों पर प्राथमिक चिकित्सा कक्ष और चिकित्सा निगरानी कक्ष स्थापित किए गए। इसके अतिरिक्त, यात्रियों की सुविधा के लिए एक रेलवे टोल-फ्री नंबर भी उपलब्ध कराया गया और तीर्थयात्रियों को इस आयोजन में मार्गदर्शन करने के लिए 12 भाषाओं में एक बहुभाषी पत्रक वितरित किया जा रहा है।

स्वास्थ्य

विभिन्न स्टेशनों पर तीर्थयात्रियों के स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

(ग) और (घ) भारतीय रेल में, रेलगाड़ियों का अधिभोगिता स्वरूप पूरे वर्ष एक समान नहीं रहता है और यह कम भीड़ और अधिक भीड़ वाले समय में बदलता रहता है। अधिक भीड़ वाले समय के दौरान, विशेष रूप से लोकप्रिय मार्गों पर रेलगाड़ियों में सीटें पूरी तरह से भरी रहती हैं जबकि कम भीड़ वाले समय और कम लोकप्रिय मार्गों में सीटों का उपयोग थोड़ा कम होता है। भारतीय रेल पर चलने वाली रेलगाड़ियों के यातायात स्वरूप की नियमित आधार पर निगरानी की जाती है और अतिरिक्त मांग को पूरा करने के लिए मौजूदा रेलगाड़ियों का भार बढ़ाया जाता है, स्पेशन रेलगाड़ियां चलाई जाती हैं, नई रेलगाड़ियां शुरू की जाती हैं, मौजूदा रेलगाड़ियों की फेरे में वृद्धि की जाती है आदि, जो परिचालनिक व्यवहार्यता के अध्यधीन है।

महाकुंभ, 2025 के लिए भीड़ नियंत्रण, निगरानी और वास्तविक समय की निगरानी पर जोर देने जैसी समग्र सुरक्षा व्यवस्थाएं की गई थी। भीड़ पर नज़र रखने और संभावित अपराधियों पर नज़र रखने के लिए 116 फेशियल रिकॉग्निशन सिस्टम (एफआरएस) कैमरों सहित कुल लगभग 1200 सीसीटीवी कैमरों का उपयोग किया गया। रेलपथ की निगरानी और स्टेशनों तक पहुँचने वाली सड़कों पर भीड़ प्रबंधन के लिए ड्रोन कैमरे भी उपलब्ध कराए गए। प्रयागराज में रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु 15,000 रेल सुरक्षा बल और सरकारी रेलवे पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया।

उपरोक्त के अलावा, महाकुंभ, 2025 के मद्देनजर लोगों की संरक्षा और सुरक्षा के लिए रेलवे द्वारा जीआरपी/स्थानीय पुलिस और अन्य हितधारकों के समन्वय से निम्नलिखित कदम उठाए गए:-

1. **करछना से मनौरी स्टेशन तक 35 किलोमीटर रेलपथ पर ड्रोन और सीसीटीवी का उपयोग करके गश्त की गई।**
2. **यात्रियों और उनके सामान की जांच बैगेज स्कैनर, मेटल डिटेक्टर और डॉग स्क्वायड की सहायता की गई।**
3. **महिलाओं की संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्टेशनों और रेलगाड़ियों में महिला सुरक्षा कर्मियों वाली "मेरी सहेली" टीमें तैनात की गईं।**
4. **विभिन्न सुरक्षा मुद्दों को शामिल करते हुए और यात्रियों को संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु वीडियो डिस्प्ले, जन उद्घोषणा प्रणाली और भोंपू का उपयोग करते हुए स्टेशन परिसर में जागरूकता अभियान चलाए गए।**
5. **समग्र सुरक्षा अवसंरचना बढ़ाने के लिए रेल सुरक्षा बल की बॉम्ब डिटेक्शन टीमों को तैनात किया गया।**
6. **खुफिया जानकारी एकत्र करने के लिए एजेंसियों के बीच समन्वय बनाया गया।**
7. **यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने और प्लेटफार्मों पर उनके विनियमित प्रवेश के लिए तथा रेलगाड़ी में चढ़ते समय अतिरिक्त घेरे बनाए गए।**
8. **रेल अवसंरचना पर आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए राज्य पुलिस और जीआरपी के साथ घनिष्ठ समन्वय स्थापित किया गया।**
9. **सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष में सीसीटीवी कैमरों की 24x7 निगरानी की गई।**
10. **त्वरित प्रत्युत्तर के लिए प्रमुख स्थानों पर रैपिड एक्शन टीमों का गठन और तैनाती की गई।**
11. **प्रयागराज में स्टेशनों पर राज्य पुलिस, खुफिया इकाइयों और अन्य रेल विभागों के समन्वय से संभावित घटनाओं को तेजी से और प्रभावी रूप से संभालने के लिए एक प्रत्युत्तर योजना तैयार की गई।**

*****